ये अव्यक्त इशारे

अब अपने दाता स्वरूप को प्रत्यक्ष करो

10-09-2026

कभी भी अपने पुण्य के बदले प्रशंसा लेने की कामना भी नहीं रखना, यह हद की प्रशंसा को स्वीकार करना सदाकाल की प्राप्ति से वंचित होना है इसलिए सदा देने में सागर के समान सम्पन्न बनो। आपका हर बोल औरों को खुशी में, बाप के स्नेह में, अतीन्द्रिय सुख में रूहानी आनन्दमय जीवन का अनुभव कराये और हर कर्म सर्व आत्माओं के प्रति सदा सहयोग की प्राप्ति कराने वाला हो।

Now reveal your form of a bestower

Never have the desire to receive praise in return of the charity you perform. To accept this limited praise is to deprive yourself of permanent attainment. Therefore, be as constantly full as an ocean in terms of giving. Let your every word enable others to experience a spiritual blissful life of happiness, the Father’s love and supersensuous joy. Let your every action constantly be such that it enables all souls to receive co-operation.